सचिव कर रहे मनमानी, आखिर किसकी दम पर चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल

सरपंच के हस्ताक्षर के बगैर सचिव ने किया भुगतान, पंचायती राज अधिनियम को बनाया मजाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया, बाबा ठाकुर

जनपद पंचायत तामिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मानका देई इन दिनों लगातार विवादों के केंद्र में बनी हुई है। पंचायत सचिव की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में असंतोष और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव की कथित मनमानी, लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं के कारण पंचायत का विकास प्रभावित हो रहा है। पिछले छह माह से पंचायत में कई कार्यों को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

जनपद और जिला पंचायत की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में लगातार शिकायतें और आरोप सामने आने के बावजूद न तो जनपद पंचायत स्तर पर कोई ठोस हस्तक्षेप दिखाई दे रहा है और न ही जिला पंचायत प्रशासन द्वारा कोई सख्त कदम उठाया गया है। इससे लोगों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

श्रीकृष्णा ट्रेडर्स को भुगतान पर उठे सवाल

पंचायत दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार निर्माण सामग्री के नाम पर श्रीकृष्णा ट्रेडर्स बिजोरी से रेत खरीदी दर्शाकर भुगतान किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस भुगतान प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। उनका कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।ग्रामीणों के अनुसार भुगतान से संबंधित दस्तावेजों और प्रक्रिया की गहन जांच आवश्यक है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि भुगतान निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप किया गया था या नहीं।

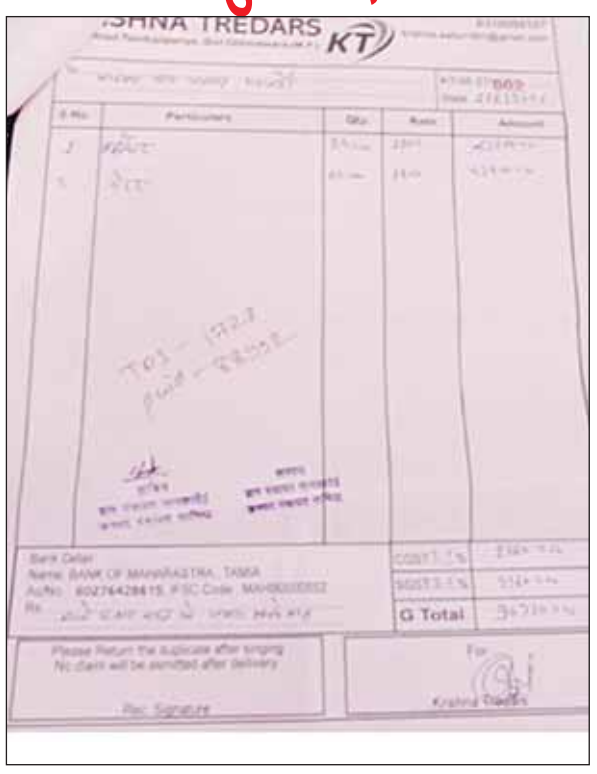

बिना सरपंच हस्ताक्षर भुगतान का आरोप

मामले का सबसे गंभीर पहलू यह बताया जा रहा है कि संबंधित भुगतान सरपंच के हस्ताक्षरों के बिना किया गया। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि जब पंचायत के वित्तीय मामलों में सरपंच की स्वीकृति और सहभागिता अनिवार्य मानी जाती है, तब आखिर किस प्रक्रिया के तहत भुगतान जारी किया गया।यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह पंचायत की वित्तीय प्रणाली और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पहलू की तकनीकी और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर जांच होना आवश्यक है।

सीसी रोड निर्माण में गुणवत्ता पर विवाद

मानका देई पंचायत में निर्मित सीसी रोड भी विवादों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता और मापदंडों से समझौता किया गया तथा कार्य स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं कराया गया।ग्रामीणों के अनुसार यदि स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए तो निर्माण कार्य में कई खामियां सामने आ सकती हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया।

उपयंत्री और सहायक यंत्री की कार्यप्रणाली भी चर्चा में

निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए जिम्मेदार उपयंत्री और सहायक यंत्री की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन इस मामले में उन्होंने समय रहते आवश्यक हस्तक्षेप नहीं किया।यही कारण है कि अब ग्रामीण केवल पंचायत सचिव ही नहीं बल्कि निर्माण कार्यों से जुड़े तकनीकी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग कर रहे हैं।

ऑनलाइन भुगतान प्रणाली पर उठे नए सवाल

मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गईं। पंचायतों में ऑनलाइन भुगतान के दौरान सामान्यतः सरपंच के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी आने के बाद ही भुगतान प्रक्रिया पूरी होती है।ऐसे में यदि सरपंच के हस्ताक्षर नहीं हुए और भुगतान फिर भी हो गया, तो ग्रामीण इसे जांच का महत्वपूर्ण विषय बता रहे हैं। पंचायत क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि सरपंच के मोबाइल नंबर से संबंधित डुप्लीकेट सिम और डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि इस दिशा में तकनीकी जांच आवश्यक है।

तकनीकी जांच की मांग हुई तेज

ग्रामीणों की मांग है कि यह पता लगाया जाए कि भुगतान किस कंप्यूटर या सिस्टम से किया गया, किस लॉगिन आईडी का उपयोग हुआ और भुगतान प्रक्रिया में किन-किन अधिकारियों अथवा कर्मचारियों की भूमिका रही।उनका कहना है कि यदि साइबर एवं वित्तीय जांच कराई जाए तो भुगतान प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जा सकती है।

पंचायती राज व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल

मानका देई पंचायत का मामला अब केवल एक ग्राम पंचायत तक सीमित नहीं रह गया है। यह पंचायती राज व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरा है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि शिकायतों और आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो शासन की योजनाओं तथा पंचायत व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर हो सकता है।

निष्पक्ष जांच की उठी मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और संबंधित विभागों से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि भुगतान प्रक्रिया, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी स्वीकृतियों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।अब सबकी निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि मानका देई पंचायत में लगाए जा रहे कथित वित्तीय अनियमितताओं और निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों के आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए प्रशासन क्या कदम उठाता है। फिलहाल यह मामला पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की परीक्षा बन गया है।

हादसे के बाद जागा परिवहन विभाग! 50 स्कूल वाहनों की जांच, 7 जब्त

11 पर चालानी कार्रवाई, लेकिन सवाल बरकरार, स्कूली बच्चों की सुरक्षा में इतनी लापरवाही कैसे?

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाड़ा, मनीष गड़करी

जिले में स्कूल वाहनों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग एक बार फिर चर्चा में है। सोमवार को बिरसा मुंडा क्षेत्र में एक स्कूल वैन के दुर्घटनाग्रस्त होने और चार बच्चों के घायल होने की घटना के बाद मंगलवार को परिवहन विभाग अचानक सक्रिय नजर आया। विभाग के विशेष जांच दल ने शहरी क्षेत्र में संचालित स्कूल वाहनों की सघन जांच करते हुए 50 से अधिक छोटे-बड़े वाहनों की जांच की, 7 वाहनों को जब्त किया और 11 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 93 हजार 800 रुपये का राजस्व वसूला। हालांकि इस कार्रवाई के साथ ही विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल

भी खड़े हो गए हैं।परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर हरेंद्र नारायण के निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। जांच के दौरान वाहनों के दस्तावेज, फिटनेस, परमिट, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग तथा अन्य सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई।जांच में गंभीर कमियां पाए जाने पर 7 वाहनों को जब्त कर अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया। इनमें एमपी 28 डीबी 0534, एमपी 28 बीडी 2545, एमपी 20 टी 7756, एमपी 28 जेडएच 2292, एमपी 28 टीए 0845, एमपी 28 बीडी 1428 और एमपी 28 टीए 1545 शामिल हैं। इसके अलावा दस्तावेजों और अन्य नियमों के उल्लंघन के मामलों में 11 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई।अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि स्कूल वाहन संचालकों और चालकों को मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों का पालन करने की समझाइश भी दी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को हुए नुकसान से अभिभावक है चिंतित

परिवहन विभाग की इस कार्रवाई को लेकर शहर में एक बड़ा सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। आखिर ऐसी सक्रियता किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों दिखाई देती है? यदि सोमवार को बच्चों से जुड़ा हादसा नहीं होता तो क्या यह जांच अभियान चलता?दरअसल, जिले में लंबे समय से ऐसे स्कूल वाहन संचालित होने की शिकायतें मिलती रही हैं जो या तो फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरते या फिर आवश्यक दस्तावेजों के बिना सड़कों पर दौड़ रहे हैं। कई वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जाता है, जबकि कुछ वाहन तकनीकी रूप से कंडम होने के बावजूद संचालन में बने हुए हैं।परिवहन विभाग का दायित्व केवल दुर्घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि दुर्घटना को रोकना भी है। यदि नियमित रूप से निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था मजबूत हो तो ऐसे कई जोखिमों को पहले ही समाप्त किया जा सकता है। लेकिन अक्सर देखा गया है कि किसी बड़ी घटना या जनदबाव के बाद ही अभियान चलाए जाते हैं और कुछ दिनों बाद व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। जिले में परिवहन विभाग के उड़नदस्ते की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि नियमित जांच होती रहती तो इतने वाहन एक साथ कमियों के साथ कैसे पकड़े गए? यह स्थिति कहीं न कहीं यह संकेत देती है कि निगरानी व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं।जनता का मानना है कि स्कूल वाहनों की जांच केवल औपचारिकता नहीं बल्कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि जांच अभियान किसी हादसे या कलेक्टर के आदेश का इंतजार किए बिना नियमित रूप से संचालित हों। बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले वाहन सीधे तौर पर अभिभावकों के विश्वास से जुड़े होते हैं। ऐसे में हर वाहन का फिटनेस प्रमाणपत्र, वैध परमिट, प्रशिक्षित चालक और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।परिवहन विभाग की ताजा कार्रवाई निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे नियमों का उल्लंघन करने वालों को संदेश गया है। लेकिन यह कार्रवाई तभी सार्थक मानी जाएगी जब इसे एक नियमित अभियान का रूप दिया जाए और जिले की सड़कों पर दौड़ रहे सभी असुरक्षित वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो।फिलहाल विभाग की सक्रियता से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन यह प्रश्न अभी भी अनुत्तरित है कि क्या छिंदवाड़ा में परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर बार किसी दुर्घटना का इंतजार करना पड़ेगा? जनता अब जवाब और स्थायी समाधान दोनों चाहती है।

सांसद ने घायल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू ने दिल्ली प्रवास से लौटने के तुरंत बाद मंगलवार को सुबह जिला अस्पताल छिन्दवाड़ा पहुंचकर विगत दिनों छिन्दवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर टेमनी खुर्द के समीप हुए दुखद एवं हृदय विदारक भीषण सड़क दुर्घटना में घायल हुए मरीजों से मुलाकात की। इस दौरान सांसद श्री साहू ने घायलों से मुलाकात करते हुए जहा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली वहीं मौके पर मौजूद

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अभय सिन्हा सहित चिकित्सकों से मरीजों के उपचार की जानकारी लेते हुए सभी घायल मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करने के निर्देश भी दिए है। इस दौरान संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू ने घायल मरीजों से मुलाकात करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सभी घायल मरीजों सहित इस दुखद एवं हृदय विदारक भीषण सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों और उनके परिवार के साथ है, घायल मरीजों के इलाज में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू ने इस भीषण सड़क हादसे पर गहन दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस बूथ स्तर पर मनाया

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं भाजपा के पितृ पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस छिंदवाड़ा नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 42 के बूथों पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान, राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए किए गए संघर्ष तथा उनके बलिदान को याद किया गया।पार्षद संदीप सिंह चौहान ने बताया कि पार्टी संगठन द्वारा वार्ड 42 के बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन एवं विचारों पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को उनके राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दिलाया गया। पार्षद श्री संदीप सिंह चौहान कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना, अखंड भारत के संकल्प और जनसेवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष राजेश साबले, दिनेश मालवी, गुड्डा सूर्यवंशी, आशीष सोनी, राजीव रॉय,मनीष साहू, हर्ष निर्मलकर, राहुल पाण्डेय, अंकित सोमकुवर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक की मौत के बाद भड़के ग्रामवासी, शव को थाने के समक्ष रखकर किया प्रदर्शन

जुन्नारदेव। विकासखंड मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित नवेगांव थाना अंतर्गत जमीनी विवाद के एक मामले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। लगभग एक सप्ताह पूर्व घटित इस मामले को लेकर ग्रामवासी छोटी बोरदेही में पुलिस की कार्रवाई को लेकर असंतुष्ट थे। युवक की मौत के बाद उसके शव को थाना नवेगांव के समक्ष रखकर ग्राम वासियों ने मंगलवार को जमकर प्रदर्शन किया। आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग को लेकर यह ग्रामवासी इस खबर को लिखे जाने तक प्रदर्शन कर रहे थे। स्थिति बेहद तनाव में जब पहुंच गई थी तब यहां एसडीओपी सुनील बरकड़े और तहसीलदार मौका स्थल पर पहुंचकर ग्राम वासियों को समझाने की कोशिश करते देखे गए। मिली जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पूर्व थाना नवेगांव के ग्राम छोटी बोरदेही में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष के बीच विवाद हुई था। जिसमें दबंग पक्ष के द्वारा 42 वर्षीय युवक सुखराम की आज लंबे उपचार के बाद मौत हो गई। ग्राम वासियों के द्वारा इसके शव को लाकर थाना नवेगांव के समक्ष प्रदर्शन किया गया, जिसको लेकर स्थिति बिगड़ती नजर आई ग्राम वासियों ने नवेगांव पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। तनावपूर्ण हालात को देखते हुए एसडीओपी सुनील वरकडे और तहसीलदार मौका स्थल पर पहुंच गए हैं, जहां पर वह स्थिति पर नजर रखते हुए प्रदर्शनकारियों को उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दे रहे हैं।

गैस के लिए परासिया के उपभोक्ता हो रहे परेशान

परासिया :- बीते समय गैस की कीमत की किल्लत के चलते एक ओर जहां हर आदमी की परेशानियां बढ़ गई थी , वहीं अब स्थिति भले ही सामान्य हो गई हो , लेकिन परासिया के उपभोक्ताओं को अब भी गैस के लिए खासी परेशानी उठानी पड़ रही है ।पिछले कुछ महीनो में रसोई गैस के लिए जो उहापोह मची थी , हाहाकार मचा था , रसोई गैस के लिए सुबह 5 बजे से गैस सेंटरों में लगी लम्बी कतारों की तस्वीर अखबारों , सोशल मीडिया में छाई हुई थी , तरह - तरह के मीम्स , टूल्स आदि गैस को लेकर बन रहे थे , अब उन पर कमी आ गई है । लोगों को रसोई गैस के लिए अब ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ रहा है , लेकिन परासिया के वे उपभोक्ता जिनका कनेक्शन पाटिल गैस एजेंसी से रहा है , उन्हें आज भी गैस के लिए खासा परेशान होना पड़ रहा है । एजेंसी की लापरवाही और कु प्रबंधन का खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है । परासिया की एजेंसी बंद कर दिए जाने के बाद सभी उपभोक्ताओं को अंबाड़ा और दिघावानी में स्तिथ एजेंसियों से जोड़ दिया गया । गैस बुकिंग के बाद उपभोक्ता को गैस के लिए अंबाड़ा या दिघावानी जाना पड़ रहा है । हालांकि एजेंसियों को होम डिलीवरी करने के आदेश है , लेकिन इस आदेश का ईमानदारी से पालन नहीं हो रहा है । कांग्रेस नेता वीर बहादुर सिंह ने इस मामले में कलेक्टर को पत्र लिखकर परासिया में ही अस्थाई रूप से सेंटर खोलने और गैस वितरण की व्यवस्था बनाने की मांग रखी है । वीर बहादुर का कहना है , कि शहर के उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के दौरान कोई समस्या आती है , बिल की कोई समस्या या सिलेंडर लेने आदि के मामले में अंबाड़ा या दीघावानी जाना पड़ता है , जिससे उपभोक्ता का समय और पैसा दोनों बर्बाद होता है । उन्होंने यह भी कहा , कि नई एजेंसी खड़ी करने में काफी समय लगेगा , ऐसी स्तिथि में उपभोक्ता कब तक परेशानी भोगेगा । उन्होंने शासन से मांग रखी है , कि जल्द ऐसी व्यवस्था बनाई जाए , ताकि परासिया के लोगों को रसोई गैस से सम्बंधित किसी भी मसले का हल परासिया में ही मिल सके । ऐसा नहीं होगा तो आंदोलन किया जाएगा ।

दिल्ली दौरे पर महापौर विक्रम अहके ने केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके से की मुलाकात

छिंदवाड़ा। जिले के प्रतिभावान जनजातीय युवाओं को खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ी और महत्वपूर्ण पहल की गई है। अपने दिल्ली प्रवास के दौरान नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहके ने भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके जी से प्रत्यक्ष मुलाकात की। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान महापौर ने छिंदवाड़ा शहर सहित जिले के वनांचल व ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की और जिले में एक सर्वसुविधायुक्त 'आदिवासी स्पोर्ट्स एकेडमी' (जनजातीय खेल अकादमी) स्वीकृत करने की मांग करते हुए उन्हें पत्र सौंपा। महापौर विक्रम अहके ने केंद्रीय मंत्री श्री उइके से सीधी चर्चा करते हुए और सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया कि छिंदवाड़ा जिला एक जनजातीय (आदिवासी) बाहुल्य क्षेत्र है। इस अंचल के आदिवासी युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक और बहुमुखी प्रतिभाएं कूट-कूट कर भरी हुई हैं। पारंपरिक खेलों से लेकर आधुनिक खेल विधाओं तक में यहाँ के युवाओं का कौशल अद्भुत है, लेकिन उचित मार्गदर्शन, आधुनिक अधोसंरचना और पेशेवर प्रशिक्षण (कोचिंग) के अभाव में इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का पूरा अवसर नहीं मिल पा रहा है। इन छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को सही समय पर तलाशने और तराशने (निखारने) की आज महती आवश्यकता है। मुलाकात के दौरान महापौर ने केंद्रीय मंत्री श्री उइके से विशेष आग्रह किया कि यदि उनके व्यक्तिगत प्रयासों और केंद्र सरकार के सहयोग से छिंदवाड़ा जिले को 'आदिवासी स्पोर्ट्स एकेडमी' की सौगात मिल जाती है, तो यह संपूर्ण महाकौशल और सतपुड़ा अंचल के आदिवासी युवाओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। स्पोर्ट्स एकेडमी खुलने से स्थानीय युवाओं को रहने, खाने, पढ़ाई के साथ-साथ खेलों की आधुनिक विधाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण निशुल्क मिल सकेगा, जिससे आने वाले समय में जिले के खिलाड़ी देश और दुनिया में छिंदवाड़ा व मध्य प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

वार्ड 20 में बारिश होते ही तारों से निकली आग

छिंदवाड़ा। शहर में काफी दिनों बाद हुई बारिश ने जहां लोगों को राहत दी है। वहीं कुछ स्थानों पर ये आफ़त बनकर आई है। दरअसल वार्ड क्रमांक 20 माल धक्का के पास बिजली के तार से निकलती आग किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रही है। वहीं स्थानीय लोगों द्वारा जब इसकी शिकायत एमपीईबी को की गई तो उनका कहना था कि उसका काम आज नहीं कल किया जाएगा। विद्युत विभाग की इस तरह की लापरवाही से आग लगने सहित बड़ी दुर्घटना होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार सुबह से इस तरह की आग निकल रही है। शिकायत करने के बावजूद भी जिम्मेदार किसी तरह की मरम्मत नहीं करवा रहे हैं।

शहर में सड़क पर मारपीट, रोड पर 15 मिनट चली लड़ाई, एक का सिर फूटा

छिंदवाड़ा। शहर में मंगलवार शाम सड़क पर दनादन देखने को मिला। स्टेडियम के सामने राज टॉकीज जाने वाले तिराहे पर आम का ठेला लगाने वाले दो गुटों के बीच मामूली से बात पर शुरू हुई बहस देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस विवाद में एक युवक का सर भी फूटा, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। करीब 15 मिनट तक रोड पर चले इस घटनाक्रम के दौरान दोनों पक्षों की तरफ से लोग जमा हुए और ट्रैफिक जाम रहा लेकिन पुलिस नहीं पहुंचीं। शहर में सड़क पर इस तरह की गुंडागर्दी बढ़ती जा रही है, जो चिंताजनक विषय है।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

निगम अभियान चलाकर सड़कों से हटवाए निजी निर्माण सामग्री: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली । बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं विभिन्न आयोगों के लंबित पत्रों की भी विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने विभिन्न अंतर्विभागीय एवं समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत

श्री अग्रिम कुमार, अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह, एसडीएम परासिया श्री शुभम कुमार यादव, एसडीएम छिंदवाड़ा श्री सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, श्रीमती अंकिता त्रिपाठी व सुश्री कामनी ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल कुमार पटेल, श्री पुष्पेंद्र निगम व श्री आर.के.मेहरा सहित जिला प्रशासन व सभी विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला मुख्यालय के अतिरिक्त अन्य एसडीएम और विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल थे।

कलेक्टर श्री नारायन ने बताया कि मध्यप्रदेश में भारत सरकार के 'ज्ञान भारतम् पांडुलिपि मिशन' के तहत राज्य भर में प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज और उनके डिजिटलीकरण का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार जिले में उपलब्ध पांडु लिपियों की खोज और उनके डिजिटाइजेशन का कार्य पूरी जवाबदारी और गंभीरता से किया जाए। इसके लिए उन्होंने विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे हैं।

जिला पेंशन कार्यालय से जुड़े समय सीमा के प्रकरण की समीक्षा में पाया गया कि प्रारंभिक जांच में जिला पेंशन कार्यालय में पदस्थ बाबू द्वारा पेंशन बैंक खाते में भेजने की एवज में पेंशनर से पैसे लेने की शिकायत झूठी और निराधार है। शिकायत में शिकायकर्ता के हस्ताक्षर भी नहीं हैं और संबंधित बाबू को वह कार्य आवंटित भी नहीं है। इस पर कलेक्टर श्री नारायन ने शिकायत कर्ता से सीधे बात कर उनके स्टेटमेंट लेने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री नारायन ने कहा कि शहर में कुछ स्थानों पर प्राइवेट निर्माण कार्य की सामग्री सार्वजनिक सड़कों पर पड़ी दिखाई दे रही है। उन्होंने नगर निगम को अभियान चलाकर कंस्ट्रक्शन मटेरियल हटवाने और चालानी कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री नारायन ने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी प्राप्त की और सभी की प्रगति पर पूरी नजर रखने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को दिए, जिससे निर्माण कार्य समय सीमा में एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सके।

कलेक्टर श्री नारायन ने महाप्रबंधक जिला केंद्रीय सहकारी बैंक को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में नवीन सदस्य बनाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। सीईओ जनपद पंचायत मोहखेड़ को ग्राम पंचायत सांवरी के सरपंच, सचिव के विरुद्ध हुई शिकायत की स्पष्ट एवं सूक्ष्मता से जांच कराने के लिए निर्देशित किया।

पुलिस के विरूद्ध ओबीसी महासभा ने खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन, लापरवाही करने के लगाए आरोप

चौरई। ओबीसी महासभा द्वारा जिले के किसानों एवं अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर मंगलवार को महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा । जिसमें पूर्व में हिवराकलां में सौरभ भार्गव के द्वारा अपने खाद बीज केन्द्र में आसिफ वर्मा के साथ खाद बीज को लेकर मारपीट करने, थाना चौरई के अंतर्गत संदीप वर्मा के विरूद्ध झूठा 376 का प्रकरण दर्ज करने की धमकी देने से उसके द्वारा फांसी लगा लेने, ग्राम कलकोटी निवासी ध्रुव वर्मा के द्वारा दबंगो की शिकायत थाना चौरई में करने पर मारपीट करने वाले आरोपियों को गिरफतार करने, खाद बीज की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि को वापस लेकर किसानों को राहत दिये जाने, छिंदवाड़ा सहित चौरई की सहकारी समितियों में नगद में खाद लेने पर लगाये गये प्रतिबंध को हटाकर ई टोकन प्रणाली बंद कर किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध कराने, नीट परीक्षा घोटोले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करने, चॉद, चौरई, बिछुआ सहित संपूर्ण छिंदवाड़ा जिले में रेत के अवैध, परिवहन एवं रेत माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही कर उनके वाहनों को राजसात करने, चौरई सहित संपूर्ण ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब की बिक्री पर कार्यवाही कर बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग कर इन समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की है । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओबीसी महासभा लोधी विपिन वर्मा अध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश वर्मा अध्यक्ष किसान मोर्चा रंजीत रवि कर राकेश वर्मा विजय वर्मा संजय विश्वकर्मा सहित ग्रामीण जन एवं ओबीसी महासभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नाले की गंदगी और जलभराव से सुंदर देवरे नगर के रहवासी परेशान

सफाई की मांग तेज, बीमारी का बना रहता है खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

नगर के सुंदर देवरे नगर स्थित गली नंबर 5 एवं सोनी मोहल्ले से लगे नाले में लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नाले में अत्यधिक मात्रा में गंदगी जमा होने तथा पानी के ठहराव से पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। इसके साथ ही मच्छरों की संख्या में लगातार वृद्धि होने से लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों एवं नगर परिषद प्रशासन से शीघ्र नाले की सफाई कराने की मांग की है।क्षेत्रवासियों के अनुसार सुंदर देवरे नगर और सोनी मोहल्ले के बीच स्थित यह नाला कई महीनों से उपेक्षा का शिकार है। नियमित सफाई नहीं होने के कारण नाले में कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ जमा हो गए हैं। इससे पानी की निकासी बाधित हो रही है और नाले में जगह-जगह पानी जमा हो रहा है।

गर्मी और बरसात के मौसम में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे आसपास के रहवासियों को दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले में जमा गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम होते ही मच्छरों के कारण लोगों का घरों के बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। कई परिवारों ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं व्यक्त करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।रहवासियों ने बताया कि इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाले की सफाई नहीं कराई गई तो बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है, जिससे आसपास के मकानों और सड़कों को भी नुकसान पहुंच सकता है।क्षेत्र के नागरिकों ने पार्षद महोदय से विशेष आग्रह करते हुए कहा है कि जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नाले की तत्काल सफाई कराई जाए। साथ ही नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी समस्याएं उत्पन्न न हों।

14 गौ रक्षकों के साथ न्याय की मांग

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता एव राष्ट्रीय तेली पिछड़ा वैश्य महासभा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष भगवान दिन साहू के नेतृत्व में बहुत से धार्मिक एव सामाजिक संगठनों ने जिले के लोकप्रिय सांसद विवेक (बंटी) साहू एव जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति जी ,प्रधानमंत्री जी और मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर के नाम ज्ञापन देकर 14 गौ रक्षको के न्याय की मांग की ज्ञापन में बताया कि हाल ही में नर्मदापुरम (म.प्र.) की एक आदलत ने 14 गौ रक्षकों को उम्र कैद की सजा सुनाई है । इस न्यायिक फैसले का पूरे देश में विरोध हो रहा है । फैसला सुनाने वाली जज साहिबा धर्म विशेष से तालुक रखती हैं । सोशल मीडिया पर जज साहिबा की कार्यप्रणाली पर लोग तरह तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। जिससे न्यायपालिका की छवि धूमिल हो रही हैं । उक्त घटना 3 अगस्त 2022 की है । जिसमें अमरावती के रहने वाले गौ- तस्कर नजीर अहमद के साथ मारपीट हुई थी जिसकी कुछ दिनों बाद अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई ।मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया कि गौ तस्कर की मौत श्वसन नली में भोजन अटकने से हुई है , पोस्टमार्टम रिपोर्ट में है। उक्त घटना का कोई साक्ष्य भी नही है ।14 गौरक्षक के सैकड़ों परिवार जनों को मानसिक प्रताडना एव त्रास देने के उद्देश्य से उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई गई । पूरे देश में इस सजा का जमकर विरोध हो रहा है । एक ऐसा ही मामला इन दिनों सोशल मीडिया की सुर्खी बना है जिसमें जोधपुर उच्च न्यायालय ने संत श्री आशाराम जी बापू को उम्र कैद की सजा सुनाई । सन 2013 में एक लड़की ने उन पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था । लड़की का मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट नील आई , 4 सह आरोपियों को बरी किया गया । जोधपुर पुलिस ने गैंग रेप की धारा लगाई थी, उसे कोर्ट ने हटा दिया । आशाराम जी बापू के खिलाफ ना कोई गवाह है ना सबूत है फिर भी 89 वर्ष की आयु में उन्हें उम्र कैद की सजा देना न्याय व्यवस्था का मजाक बना हुआ है । जबकि तथाकथित घटना के वक्त पूज्य बापू जी वहां थे ही नहीं । तथाकथित घटना के समय लड़की उसके पुरुष मित्र के साथ 90 मिनिट मोबाइल में व्यस्त थी ।कॉल डिटेल न्यायालय में प्रस्तुत की गई है। इस फैसले की भी विश्व भर में निंदा हो रही है । दोनों न्यायालय के आदेश सोशल मीडिया की सुर्खी बने हैं । दुर्भाग्य से दोनों जगह राजस्थान और मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है ।

पार्किंग की जगह पर दुकानदारों का जबरन कब्जा

पांढुर्णा। आज कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में गुजरी बाजार जानेवाली छोटी पुलिया के पहले बने पार्किंग स्थल 7 दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाने की मांग व्यापारियों ने की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके पूर्व शारदा मार्केट व्यापारी संगठन और राजीव गांधी मार्केट व्यापारी संगठन गत 9 जून को इस आशय का ज्ञापन नगरपालिका पांढुर्णा को भी सौंपा था। व्यापारियों के अनुसार नगरपालिका द्वारा इस संबंध में अब तक कोई कारवाई नहीं की गई है। प्रशासन की उदासीनता के कारण पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान पर पक्के दुकान मालिकों का अवैध कब्जा बरकरार है। इसलिए छोटी पुलिया के उपर स्थित पक्की दुकानों के ग्राहकों को वाहन पार्क करने की सुविधा से वंचित होना पड रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि, नगरपालिका द्वारा शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण के समय 7 दुकानदारों को पार्किंग स्थान पर अस्थाई रूप से बैठने की अनुमति दी गई थी। लेकिन इन दुकानदारों द्वारा कॉम्पलेक्स में खुद की पक्की दुकानें बन जाने के बाद भी पार्किंग स्थान को रिक्त नहीं किया जा रहा है। इस शिकायत पर प्रवीन भगत, सुमीत इंगोले, मोहित बांदरे, मनीषा राऊलकर, कुणाल पालिवाल, राजेंद्र बालपांडे और काफी लोगों के हस्ताक्षर है।

राष्ट्रीय एकता, समाजिक समरस्ता और आतंकवाद पर हुई तकरीर

जुन्नारदेव। मस्जिद आयशा में राष्ट्रीयएकता सामाजिक समरसता, आतंकवाद के विषयों पर तकरीर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस्लामी विद्वान मौलाना अब्दुल वाहिद सल्फी एवं मौलाना अब्दुल कुद्दूस उमरी, हाफिज नसीर अहमद स्टूडेंट मदीना यनिवर्सिटी ने अपने-अपने विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। हाफिज नसीर अहमद ने अपने उद्बोधन में बताया कि मजहबे इस्लाम राष्ट्रीय एकता की बात करता है। आगे उन्होंने कहा कि संपूर्ण मानव जाति एक जीव से पैदा की गई है। इसलिए संपूर्ण विश्व के इंसान एक दूसरे के भाई-बहन है। यही राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी मिशाल है। उन्होंने अपनी तकरीर में पैगंबर मोहम्मद साहब और इस्लाम धर्म के संबंध में महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित अनेकों महान लोगों के विचारों को का उल्लेख करते हुए इस्लाम धर्म को शांति सांप्रदायिक सौहार्द आपसी भाईचारे का धर्म बताया। आगे उन्होंने कहा कि इस्लाम आतंकवाद-हिंसक घटनाओं की घोर निन्दा करता है। इसी क्रम में मौलाना अब्दुल कुद्दूस उमरी ने इस्लाम और आतंकवाद पर विस्तार पूर्वक अपने विचार रखें। मौलाना उमरी ने कहा कि जो मजहब अमन शान्ति का संदेश देता हो वह धर्म बेगुनाह निर्दोष लोगो की हत्या, भय, आंतक का समर्थन कैसे कर सकता है। उन्होंने कुरआन की एक आयत पढ़ते हुए बताया किजिसने किसी एक निर्दोष, बेगुनाह इन्सान की हत्या किया मानो उसने पूरी मानवता की हत्या कर दी। और जिसने एक व्यक्ति की जान बचाई मानो उसने पूरी इन्सानियत मानवता को बचा लिया। दुर्भाग्यवश कुछ आतंकवादी संगठन अलकायदा **ISIS** अन्य कट्टरपंथी समूह इस्लाम के नाम का दुरुपयोग करते हैं। यह संगठन अपने राजनैतिक व हिंसक उद्देशों को मजहबी धार्मिक रंग देकर लोगो को गुमराह करते हैं।

चार माह से नहीं मिला वेतन, परेशान सचिवों ने कलम बंद हड़ताल का दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सचिवों को पिछले चार महीनो से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है, इससे परेशान होकर पंचायत सचिव आंदोलन की तैयारी में हैं। सचिव संगठन के संभागीय अध्यक्ष टीकाराम साहू का कहना है कि पंचायत सचिवों की बैंकों के द्वारा फाइनेंस कराए गए वाहनों और मकान पर लोन की मासिक किश्तों की अदायगी नहीं होने पर कार्रवाई की जा रही है।

बैंक अपने हाथ खींच रही है। बच्चों की फीस और रोजी-रोटी के लाले पड़े हैं। इसी समस्या को लेकर पंचायत सचिवों ने आज तामिया जनपद सी ई ओ मोनिका झारिया को ज्ञापन सौंपा ओर कहा कि जबतक वेतन नहीं मिलता तब तक सभी सचिव कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे। यदि सचिवों की कलम बंद हड़ताल लंबी चलती है तो वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की परेशानी बढ़ सकती है!क्योंकि वर्तमान में स्कूल से संबंधित कागजात छात्र छात्रों के लिए पंचायत से ही बनवाए जाते हैं। ऐसी स्थिति में छात्रों के एडमिशन के अलावा आय जाति एवं कई अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने में परेशानी होगी, जिसका खामियां शासन द्वारा सचिवों को भुगतान नहीं किए जाने के कारण ग्रामीणों को उठाना पड़ेगा।

वहीं वर्षा पूर्व निर्माण कार्य एवं मनरेगा की मजदूरी सहित कई भुगतान सचिवों की कलम बंद हड़ताल से लंबित होंगे। जिला प्रशासन एवं शासन को सचिवों की आर्थिक परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल उनके भुगतान की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करना होगा, जिससे इनकी कलम बंद हड़ताल से दूर दराज के ग्रामीणों को परेशानी ना हो इस और कारगर कदम उठाने होंगे।

गायत्री जयंती पर्व एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष का आयोजन आज

जुन्नारदेव : गायत्री परिवार ट्रस्ट एवं तहसील संयुक्त समन्वय समिति द्वारा गायत्री जयंती पर्व, मातृ श्रद्धांजलि शताब्दी वर्ष एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन गायत्री शक्तिपीठ, जुन्नारदेव में संपन्न होगा। समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जून 2026, मंगलवार को प्रातः 5:30 बजे से अखंड जप का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं 24 जून 2026, बुधवार को प्रातः 5:30 बजे अखंड दीप प्रज्वलन किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 9:30 बजे से गायत्री जयंती पर्व पूजन एवं महायज्ञ का आयोजन होगा। कार्यक्रम का समापन दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक पूर्णाहुति, मार्गदर्शक संदेश एवं भोजन प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि इस अवसर पर 24 घंटे का सामूहिक अखंड जप एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

बच्चों व महिलाओं के खेल एवं सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिछुआ

महिलाओ व बच्चों ने खेल मे उत्साहित होकर हिस्सेदारी की, इंटरनेशनल ओलम्पिक दिवस के अवसर पर ग्राम खमरियामाल के हाई स्कूल प्रांगण में ग्राम सहयोगी समुह GSS और ग्राम पंचायत द्वारा बच्चों व महिलाएं के लिए खेल एवं सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं व बच्चों में खेल भावना का विकास करना, उनकी सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देना तथा सामुदायिक एकता को मजबूत करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य राकेश वर्मा, शिक्षक संजय माहोरे रूपचंद साहू कविता सरोदे एकता आत्मपूज्य एवं ग्राम सहयोगी समूह से सदस्य सेहतर कुरचाम आत्माराम धुर्वे, उपस्थित थे, कार्यक्रम के दौरान जनमंगल संस्थान के जबरसिंग वानखेड़े द्वारा उपस्थित बच्चों व महिलाओं एवं प्रतिभागियों को इंटरनेशनल ओलम्पिक दिवस के महत्व, खेलों के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ तथा दैनिक जीवन में खेल गतिविधियों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। अतिथियों ने भी अपने संबोधन में बच्चों को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का संदेश दिया।इस अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं खेल भावना का परिचय दिया।

बाइक की टक्कर से 70 वर्षीय वृद्ध की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी-लालबर्रा मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम सिंगोड़ी में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वृद्ध ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बाइक जब्त कर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार रात करीब 11 बजे ग्राम सिंगोड़ी में लालबर्रा रोड पर हुई। मृतक की पहचान गुलाब चंद पिता स्व. लटारू डोमडे, उम्र 70 वर्ष, निवासी सिंगोड़ी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुलाब चंद किसी काम से सड़क किनारे थे, तभी कटंगी की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक क्रमांक एमपी 50 जेड एच 3512 पर ग्राम बनेरा निवासी तीन युवक सवार थे। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कटंगी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचाया। मंगलवार सुबह 11 बजे मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। कटंगी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक कायम कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल मामले में किसी के भी खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। बाइक पर सवार तीनों युवक ग्राम बनेरा के बताए जा रहे हैं, लेकिन एफआईआर दर्ज न होने और परिजनों के बयान न होने के कारण युवकों की आधिकारिक पहचान नहीं हो पाई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। 70 वर्षीय गुलाब चंद की मौत से सिंगोड़ी गांव में शोक की लहर है। मृतक अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस ने बाइक सवार युवकों से संपर्क कर बयान दर्ज करने की प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पौधे जब तक पेड़ ना बन जाए, तब तक उनकी करे देखभाल-विवेक पटेल

वारासिवनी सांदीपनि विद्यालय में किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सांदीपनी विद्यालय मे वृहद स्तर पर एक पेड मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। जहां लगभग दो दर्जन से अधिक फलदार व औषधीय पौधो का रोपण कर पुर्ण सुरक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगो को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के साथ बढ़ते प्रदूषण,जलवायु परिवर्तन और वनो की कटाई जैसी गंभीर समस्याओ के खिलाफ कदम उठाने के लिये प्रेरित करना है।पर्यावरण संरक्षण,हरित आवरण में वृद्धि तथा नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर में सांसद भारती पारधी, विधायक विवेक विक्की पटेल और पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल पहुंचे। जहां स्कूल के प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। जिसके पश्चात स्कूली छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के माध्यम से सभी जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन कर मां सरस्वती की पूजा अर्चना का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का तिलक वंदन कर पुस्तके और साईकलों का वितरण किया गया।जिसके बाद इसरो और नासा टूर से वापस लौटने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं।बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता है।वृक्ष लगाने के साथ ही उनकी देखभाल करना हमारी जवाबदारी भी है। जब तक वह पेड़ बड़े ना हो जाए।उसकी देखभाल करे। जब पौधे बड़े होंगे, तो स्कूल का परिसर भी बहुत खूबसूरत लगेगा। जितने ज्यादा पेड़ लगेंगे। गर्मी के तापमान भी कम होगा।

20 जून को घर से निकला था शिवचरण, गोंदिया स्टेशन से आखिरी बार हुई बात

हैदराबाद मजदूरी करने निकला खैरलांजी का युवक लापता

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

थाना क्षेत्र के ग्राम खैरलांजी निवासी 35 वर्षीय मजदूर शिवचरण पिता बालचंद हरदे बीते तीन दिनों से लापता है। 20 जून की दोपहर घर से हैदराबाद मजदूरी करने के लिए निकला शिवचरण न तो हैदराबाद पहुंचा और न ही वापस घर लौटा। परिजनों ने हर जगह तलाश के बाद 23 जून की दोपहर 2 बजे कटंगी थाने में गुम इंसान की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पत्नी दीपिका हरदे ने बताया कि शिवचरण 20 जून की दोपहर करीब 12 बजे घर से यह कहकर निकले थे कि वे हैदराबाद मजदूरी करने जा रहे हैं। रात करीब साढ़े 9 बजे शिवचरण ने गोंदिया रेलवे स्टेशन से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि हैदराबाद जाने वाली ट्रेन छूट गई है। पत्नी और भाई दीपचंद ने दूसरी ट्रेन से जाने की सलाह दी थी। परिजनों के अनुसार गोंदिया स्टेशन से बात होने के बाद से शिवचरण का मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा है। वह दूसरी ट्रेन से हैदराबाद भी नहीं पहुंचा, जहां उसका भाई दीपचंद हरदे पहले से काम करता है। दोनों भाई साथ में ही मजदूरी करते थे। शिवचरण के घर न लौटने पर परिजनों ने नाते-रिश्तेदारी, दोस्तों और हैदराबाद में सभी संभावित जगहों पर तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। दीपिका हरदे ने पुलिस को बताया कि मेरे पति पहले भी कई बार हैदराबाद कमाने के लिए जाते रहे हैं। वहां उनका भाई दीपचंद भी काम करता है। दोनों साथ में ही रहते और काम करते थे। घर-परिवार या बाहर किसी से भी उनका कोई विवाद नहीं था। शिवचरण का एक पुत्र और एक पुत्री भी है। लगातार 2 दिन तक तलाश करने के बाद जब शिवचरण का कहीं पता नहीं चला तो परेशान परिजन 23 जून की दोपहर 2 बजे कटंगी थाना पहुंचे। पुलिस ने शिवचरण हरदे की गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

पिता का सपना, बेटे की मेहनत और सफलता की मिसालः गांव के वेदप्रकाश बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज लांजी। कहते हैं कि सपने वहीं सच होते हैं, जिनके लिए दिन-रात मेहनत की जाए और असफलताओं के बावजूद कदम न रुकें। बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड के छोटे से गांव बिरनपुर के युवा वेदप्रकाश नागपुरे ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2025 परीक्षा में सफलता हासिल कर उन्होंने न केवल अपने पिता का सपना पूरा किया, बल्कि पूरे जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है।

वेदप्रकाश की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम बिरनपुर की प्राथमिक शाला से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने लांजी, सावरी खुर्द और सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययन किया। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने सतना स्थित एकेएस विश्वविद्यालय से बी.टेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। शिक्षा पूरी होने के बाद उनके मन में प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना था। इसी लक्ष्य को लेकर वर्ष 2022 में वे इंदौर पहुंचे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। यह सफर आसान नहीं था। लगातार पढ़ाई, सीमित संसाधन और प्रतियोगी माहौल के बीच उन्होंने तीन बार मेन्स परीक्षा लिखी। कई बार सफलता करीब आकर भी दूर चली गई, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

वेदप्रकाश के लिए सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब वर्ष 2024 में निकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2025 में निरस्त हो गई। लंबे इंतजार और कठिन परिश्रम के बाद आई इस खबर ने उन्हें निराश जरूर किया, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाई। वे फिर से पूरी ऊर्जा के साथ तैयारी में जुट गए। उनका विश्वास था कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। आखिरकार उनका यह विश्वास सच साबित हुआ और उन्होंने एमपीपीएससी खाद्य सुरक्षा अधिकारी परीक्षा में सफलता हासिल कर ली।

पिता का सपना, बेटे की मेहनत और सफलता की मिसालः गांव के वेदप्रकाश बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज लांजी। कहते हैं कि सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए दिन-रात मेहनत की जाए और असफलताओं के बावजूद कदम न रुकें। बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड के छोटे से गांव बिरनपुर के युवा वेदप्रकाश नागपुरे ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2025 परीक्षा में सफलता हासिल कर उन्होंने न केवल अपने पिता का सपना पूरा किया, बल्कि पूरे जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है।

वेदप्रकाश की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम बिरनपुर की प्राथमिक शाला से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने लांजी, सावरी खुर्द और सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययन किया।

मौत का खंभा बना बिसोनी दखनीटोला का मुख्य चौराहा, शिकायतों के बाद भी बिजली विभाग गहरी नींद में

हरिभूमि न्यूज लांजी।

लांजी जनपद की ग्राम पंचायत बिसोनी के वार्ड क्रमांक 20 दखनीटोला में बिजली विभाग की घोर लापरवाही ने ग्रामीणों की जान को खतरे में डाल दिया है। गांव के मुख्य चौराहे पर लगा विद्युत पोल बीच से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है और अब यह किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण देता नजर आ रहा है। हर गुजरते दिन के साथ खतरा बढ़ता जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मानो आंख मूंदकर बैठा हुआ है। ग्राम पंचायत बिसोनी के उप सरपंच पवन कश्यप ने बताया कि यह क्षतिग्रस्त पोल गांव के सबसे व्यस्त स्थान, मुख्य चौराहे पर स्थित है, जहां सुबह से रात तक लोगों की लगातार आवाजाही बनी रहती है। बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। पोल की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वह कभी भी भरभराकर गिर सकता है।

सबसे गंभीर बात यह है कि इस मामले की जानकारी कई बार विद्युत विभाग के कर्मचारियों को दी जा चुकी है। शिकायतें हुईं, सूचनाएं दी गईं, चेतावनियां भी दी गईं, लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में बैठा है।ग्रामीणों में विभाग की कार्यशैली को लेकर भारी नाराजगी है।लोगों का कहना है कि बिजली विभाग बिल वसूली के मामले में पूरी सख्ती दिखाता है, लेकिन जब बात जनता की सुरक्षा की आती है तो विभाग की संवेदनहीनता साफ नजर आती है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद जागेगा, या फिर समय रहते इस मौत के खंभे को हटाकर ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

जनपद पंचायत लालबर्रा के सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के सभा कक्ष में सभापति श्री धनेन्द्र नागपुरे (सभापति सहकारिता एवं उद्योग) के द्वारा ब्लॉक लालबर्रा अंतर्गत संचालित शाखा लालबर्रा एवं खमरिया ब्रांच अंतर्गत आने वाली 17 सहकारी समितियों के प्रबंधकों की बैठक 12 बजे से आहूत की गयी थी। जिसके सभापति के द्वारा सभी समितियों के ऋण वितरण, वसूली, खाद, बीज भंडारण वितरण, बचत, एवं समितियों के वर्ष के लाभ हानि, उचित लाभ, उचित हानि की समीक्षा की गयी एवं कृषकों की खाद की मांग को देखते हुये सभी समितियों के पर्याप्त भंडारण कराने एवं कृषकों को आसानी से खाद वितरण कराने हेतु समीक्षा की गयी। एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बा ला घा ट वर्ष की लाभ में है एवं उचित लाभ में है अतः ब्लॉक की स भी समितियों को जमा अंश पर लाभांश मिलना चाहिये इस आशय का प्रस्ताव किया गया एवं सभी समितियों को प्रस्ताव देकर बैंक को भेजने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर सहकारिता विस्तार अधिकारी श्रीमती अरुणा मर्सकोले, धनेन्द्र नागपुरे, इंदुकला राहंगडाले, गीता भगत, ममता राउत, कुवेरसिंह बिसेन, श्रीमती रजवंती उइके, स्वाती बिरनवार सहकारिता सदस्य एवं कर्मचारीगण - श्री डी. के. बिल्होरे पर्यवेक्षक, एच. सी. बोपचे, बी. एल. ठाकरे, सुभाष बोपचे, गोपाल बागड़े, आर. एल. एड्डे, नन्दकिशोर दशारिये, शिवकुमार गौतम, एस. डी. बोपचे पर्यवेक्षक, एम. पी. ठाकरे, युगलकिशोर बिसेन, एल. पी. सोनगड़े, आर. एल. बोरकर, बी. के. रहांगडाले, विनोद ठाकरे मिटिंग में उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नशामुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत जिलेभर में जनजागरूकता अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में नशामुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।
इसी क्रम में जिलेभर में प्रचार वाहन के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रचार वाहन द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर नशे के दुष्परिणामों, स्वास्थ्य पर पडऩे वाले प्रतिकूल प्रभावों तथा नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के संबंध में संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत नागरिकों को नशे से दूर रहने, परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोडऩे के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न विभागों के समन्वय से शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैलियां, संवाद सत्र एवं अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है।

विदाई समारोह ग्राम पंचायत सारसडोल के कुछ यादगार पल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। ग्राम पंचायत सारसडोल जनपद पंचायत कुरई से ग्राम पंचायत धनौरा जनपद पंचायत धनौरा स्थानांतरण होने पर ग्राम पंचायत सारसडोल के ग्रामवासियों, स्नेहीजनों और शुभचिंतकों द्वारा मुझे भवभीनी विदाई दी गई। समस्त ग्रामवासियों ने मुझे इस लायक समझा इस हेतु सभी का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ ।

खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर कृषि उत्पादन आयुक्त ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) के.सी. गुप्ता ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारियों, किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता, मत्स्य उत्पादन, पशुपालन योजनाओं तथा विभागीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला मुख्यालय सिवनी से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेंट्रल बैंक मैनेजर के बिगड़े बोल, बीसीयों को बोला कुत्ता

पदभार संभालने के बाद किसी न किसी कारणों से हमेशा रहते है विवादित

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया लखनादौन/ सिवनी जिले के नेशनल हाईवे 44 पर स्थित ग्राम गणेशगंज में विगत वर्षों से संचालित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक इन दिनों सुर्खियों में है इन्होंने जब से पदभार संभाला है तभी से किसी न किसी कारणों से विवादित चल रहें हैं, कभी बैंक हितग्राही कभी स्टॉप तो कभी बीसी मैनेजर के अभ्रद्रता से व्यथित हैं। एक एहम तथा गरिमामय पद पर पदस्थ बैंक मैनेजर को क्या इस तरह के लहजे सोभा देते हैं।

बैंक बीसीयों का ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष योगदान

बीसी (बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट) जिन्हें बैंक मित्रा के रूप में देखा जाता है। बैंकिग संस्था अपने हितग्रहियों को बेहतर सेवा देने के लिए चिन्हित स्थानों में बीसीयों को नियुक्त करवाते हैं जो कि ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों के ग्राहकों को स्थानीय स्तर पर विभिन्न सेवा प्रदान करते हैं जिसमें खाता खोलना,नकद जमा करना,नकद निकासी करना,आधार आधारित बैंकिंग सेवाए, पैसे का ट्रांसफर,बैलेंस की जानकारी प्राप्त करना,सरकारी योजनाओं का भुगतान प्राप्त करना सहित अन्य बैंकिग महत्वपूर्ण कार्य बीसीयों के द्वारा किया जाता हैं ।
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा गणेशगंज के मैनेजर ने जबसे बैंक में अपना पदभार संभाला है तभी से किसी न किसी कारण से वह चर्चाओं में बने हुए हैं। कभी बैंक हितग्राहियों से तू तड़ाक तो कभी बैंक के ही स्टॉप से अनबन और अब एक चौकाने वाली बात सामने आई जब एक बीसी ने केश (नगद) राशि अपने ओडी खाते से निकालने की बात कही तो बीसी सहित स्टॉप पर भडक़ गए और अभद्रता अशोभनीय अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए बहस बाजी किया यही नहीं बैंक स्टॉप से कहां कोई भी बीसी कुत्ता बैंक के अंदर नहीं दिखना चाहिए न इन्हें केश देना है न बैंक के अंदर आने देना है। इन्हें जो करना है ये करलें।

उज्ज्वल डिकेत

प्रेम कुमार यादव

बैंक मैनेजर की निरंतर मिल रही शिकायत

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैंक मैनेजर का रवैया पहले दिन से ही इसी तरह देखने को मिल रहा यही नहीं हितग्रहियों ने बताया खेती किसानी तथा बारिश को देखते हुए जब भी बैंक जाते हैं तो हमें केश (नगदी) नही मिलता आए दिन यही समस्या होती हैं आज हमारा पैसा समय पर हमारे ही काम नही आ रहा। वही इसके बाद मैनेजर को व्याप्त समस्या समाधान करने के वजह हमारे साथ अभद्रता की जाती है जिससे अब मन करता है की हम कोई दूसरी बैंको में अपना खाता खुलवाकर बैंकिंग सेवा प्राप्त करें।
बैंक मैनेजर के ऐसे ब्यौहार से न केवल वह स्वयं बल्कि बैंक का नाम भी खराब होता है।

इनका कहना है

मैं बैंक जब भी केश (नगद) लेने जाता हूं तो शाखा प्रबंधक केश उपलब्ध नहीं है का हवाला देकर केश देने से इंकार कर देते है। जबकि मैं बैंक से नही बल्कि अपने ओडी खाते से राशि निकालने की बात करता हूं तब भी मना किया जाता हैं अब ऐसे में कैसे हितग्राहियों को सेवा पहुंचाए। यही नहीं शाखा प्रबंधक ने बीसीयों को कुत्ता बोलते हुए कहां की कोई भी बीसी कुत्तों को बैंक के अंदर नहीं आने देना। जो की मेने सुना और विरोध भी किया।
प्रेम कुमार यादव बीसी लोकेशन सेलुआ (बाम्हनवाडा)
केश रहता है तो देते हैं अब केश नहीं है तो कहां से दें। ग्रामीण क्षेत्र है लोग निकालने आते हैं जमा नहीं करते उपर से भी नही आता केश। हां मैने बीसी कुत्ता बोला है ,कुछ स्कीम निकलती है जैसे बैंक रिकवरी की तो ये बीसी काम नही करते हैं । अब गलती हो गई मैने जो बोल दिया उसके लिए में माफ़ी चाहता हूं
उज्ज्वल डिकेत (शाखा प्रबंधक) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा गणेशगंज

अच्छी खबरः किसानों एवं आवश्यक सेवाओं को राहतः प्लास्टिक कैन में 50 लीटर तक डीजल प्रदाय की अनुमति एक माह के लिए जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित होने के चलते भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) एवं उच्च वेग डीजल (डीजल) की आपूर्ति के संबंध में अस्थायी विनियमन लागू किया गया है। इसके तहत डीजल का विक्रय केवल वाहनों के टैंक अथवा PESO (Petroleum and Explosives Safety Organization) से अनुमोदित कंटेनरों में ही किया जाना निर्धारित किया गया है तथा एक ग्राहक/वाहन को प्रतिदिन अधिकतम 200 लीटर डीजल प्रदाय का प्रावधान किया गया है।
किसानों की कृषि आवश्यकताओं, स्वास्थ्य सेवाओं, महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं अन्य अत्यावश्यक सेवाओं की निर्बाध संचालन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आयुक्त, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, मध्यप्रदेश द्वारा जिला कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है।
इसी क्रम में कलेक्टर सिवनी द्वारा जिले के किसानों एवं आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए किसान, स्वास्थ्य सेवाओं, महत्वपूर्ण परियोजनाओं तथा अत्यावश्यक सेवाओं से संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्लास्टिक कैन में अधिकतम 50 लीटर तक डीजल प्रदाय किए जाने की शिथिलता प्रदान की गई है।
इस संबंध में जिले में संचालित सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं तेल कंपनियों के सेल्स अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह व्यवस्था आगामी 30 दिनों तक प्रभावशील रहेगी, जिससे कृषि कार्यों एवं आवश्यक सेवाओं के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

छत्रपति शाहू महाराज की जयंती एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पखवाड़ा पर 26 को विचार संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र बरघाट/सिवनी के तत्वावधान मे 26 जून 026 को डहेरिया समाज मंगल भवन गंगा नगर सिवनी में दोपहर 12 बजे से वीरांगना रानी दुर्गावती जी का बलिदान दिवस एवम आरक्षण के जनक छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती के मौके पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।
ज्ञात हो गोंडवाना साम्राज्य की साहसी महारानी दुर्गावती जी द्वारा मुगला सेना से लड़ते हुए 24 जून 1664 को अपनी आनबान एवम शान के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था तथा छत्रपति शाहू जी महाराज का जन्म 26 जून 1874 को कुर्मी समाज में हुआ था छत्रपति शाहू जी महाराज जब कोल्हापुर रियासत के राजा हुए तो उनके द्वारा 26 जुलाई 1902 को राज्य के वंचित वर्ग के लोगों के लिए आरक्षण की शुरुवात की गई ।

हिंदुओं के लिए समर्पित रहेगा संगठन का आठवां स्थापना दिवसः रोहित सक्सेना

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का आठवां स्थापना दिवस इस वर्ष पूरे जिले में भव्य एवं व्यापक रूप से मनाया जाएगा।
हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

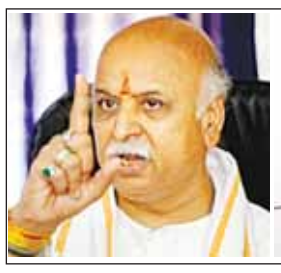

महाकौशल प्रांत के सिवनी जिले के अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन का स्थापना दिवस हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, सुरक्षा एवं राष्ट्र समर्पण की भावना को समर्पित रहेगा। उन्होंने बताया कि सिवनी जिले के विभिन्न नगरों, मंडलों एवं ग्राम इकाइयों में कुल 31 स्थानों पर स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें कई स्थानों पर ध्वजारोहण, संगठन परिचय, हिंदू जागरण गोष्ठियां, कार्यकर्ता सम्मान, सेवा गतिविधियां तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद जैसे कार्यक्रम संपन्न होंगे। रोहित सक्सेना ने बताया कि जिले में नए हनुमान चालीसा केंद्र खोले जाएंगे, जिसमें संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहेंगे।

आगामी मोहर्रम त्योहार के मद्देनजर कोतवाली पुलिस का फ्लैग मार्च

संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल एवं वाहन से निकाला फ्लैग मार्च, शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी श्री सचिन परते तथा एसडीओपी बरघाट ललित गठरे के नेतृत्व में आगामी मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु कोतवाली पुलिस द्वारा शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया।
त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों में पुलिस की सक्रियता का संदेश देना एवं आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करना। फ्लैग मार्च रूट-1. पैदल फ्लैग मार्चः नगरपालिका चौक से प्रारंभ होकर सुक्रवारी चौक, जैन मंदिर के सामने, निलांजना चौक, छोटी मस्जिद चौक, सोहाने पेट्रोल पंप होते हुए बस स्टैंड से वापस थाना कोतवाली।

जनसुनवाई में पहुंचा वैनगंगा में बेतरतीब उत्खनन का मुद्दा

कलेक्टर ने सिंचाई विभाग से शीघ्र कार्रवाई के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में छपारा में वैनगंगा नदी में बेतरतीब तरीके से किए जा रहे उत्खनन का मामला कलेक्टर के सामने उठाया गया। जिसके बाद सिंचाई विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई शीघ्र करने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ताओं ने अपेक्षा जताई है कि जिले की संवेदनशील कलेक्टर इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगी जिससे भविष्य में जिले के पर्यावरण से खिलवाड़ करने की कोशिश न हो।
क्या है मामला- छपारा तहसील मुख्यालय के पास बहने वाली और संजय सरोवर बांध की डूब क्षेत्र में आने वाली वैनगंगा नदी में मई महीने में पीएन नाग, कार्यपालन यंत्री ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए नगरपरिषद छपारा को सिल्ट निकालने की अनुमति दे दी। पीएन नाग ने अपने अनुमति पत्र में गौण खनिज अधिनियम का हवाला देते हुए अनुमति दी है जबकि डूब क्षेत्र की भूमि आर्द भूमि के तहत आती है। इसके अलावा सिल्ट निकालने के आदेश का फैसला शासन स्तर से होता है और सभी नदियों और बांधों के लिए विस्तृत काययाजना बनाइ जाता ह।
हो रहा है मनमाना उत्खनन- जैसे ही उत्खनन की अनुमति दी गई वैसे ही स्थानीय रसूखदारों ने अपने डंपर, जेसीबी, पोकलैन आदि लगाकर अंधाधुंध तरीके से खनन शुरु कर दिया। कमाल यह है कि इस उत्खनन की निगरानी न तो सिंचाई विभाग ही कर रहा है ना ही नगर परिषद का कोई व्यक्ति इस काम के लिए तैनात किया गया है। नदी के केवल एक किनारे की ओर खनन किया जा रहा है। जिससे दूसरे किनारे की ओर बाढ़ की दशा में डूब की स्थिति बन सकती है। इसके साथ ही नदी में मिलने वाले एक नाले की दिशा मोड़ दी गई है जिससे बारिश के दिनों में पानी छपारा के नाले के किनारे बसे लोगों के घरों में घुसने की पूरी आशंका बनी हुई है।
आखिर किसके लिए पाट रहे हैं जमीन
उत्खनन की मिट्टी किसानों को खेतो में ले जाने का प्रावधान है लेकिन वैनगंगा से निकली सैकड़ों डंपर मिट्टी को नदी के एक किनारे में इस तरह जमाया जा रहा है कि भविष्य में कोई उस स्थान पर अतिक्रमण कर सकता है। इसके पहले भी सिंचाई विभाग की जमीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा चुका है लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नही की है बल्कि नए अतिक्रमण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। स्थानीय लोगों की मानें तो स्थानीय रसूखदार के भावी प्रोजेक्ट के लिए यह जमीन तयार का जा रहा ह। इस सबध म पाएन नाग, कार्यपालन यंत्री का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि नदी किनारे मिट्टी एकत्र की जा रही है। अधिकारी ने बार-बार शिकायतों और मीडिया में समाचार प्रकाशन/ प्रसारण के बावजूद एक बार छपारा जाकर मुआयना करने और अपनी जमीन को मुक्त कराने की जहमत तक नहीं उठाई है। अपनी कार्रवाई को जायज ठहराने के लिए अधिकारी खनिज विभाग के नियम दिखा रहे हैं जबकि वे नियम सिंचाई विभाग पर लागू ही नहीं होते हैं।

क्या असर दिखाएंगे कलेक्टर के निर्देश

मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदक मनीष तिवारी, सुदीप तिवारी और राकेश नागफासे ने आवेदन सौंपते हुए पर्यावरण से खिलवाड़ की इस कोशिश को नाकाम करने की मांग की है। अपने आवेदन में आवेदक ने लिखा है कि गैर जरूरी तरह से डंप की गई सैकड़ों डंपर मिट्टी को तत्काल वहां से हटाया जाए जिससे वैनगंगा की धारा निर्बाध तरीके से बहती रहे। आवेदकों का कहना है कि वे नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और दूसरे मंचों का रुख इस संबंध में आगामी कदमों के रूप में कर सकते हैं। आवेदकों का यह भी कहना है कि जिले के पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कलेक्टर स्वयं मौके पर मुआयना करें और आवश्यक कार्रवाई करें।

मुस्लिम विकास परिषद ने पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी का किया सम्मान

मध्यप्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने आज पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी से सौजन्य भेंट कर उन्हें जनसेवा, समाजसेवा, उत्कृष्ट कानून-व्यवस्था तथा जिले में सभी धर्मों एवं समुदायों के बीच आपसी प्रेम, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनाए रखने में दिए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए पुष्पहार एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित किया।
परिषद के सरपरस्त नवाब दीवान शाद अली एवं प्रदेश महामंत्री शोएब राजा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष साजिद खान, उपाध्यक्ष असलम मिर्जा तथा कोषाध्यक्ष रहीम खान शामिल रहे। इस अवसर पर परिषद पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के नेतृत्व में जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था स्थापित करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा सभी वर्गों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण निर्मित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

सर्पदंश से बचाव और समय पर उपचार के लिए जिले में विशेष जनजागरूकता अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में जिले में वर्षाकाल के दौरान संभावित सर्पदंश की घटनाओं की रोकथाम एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सर्पदंश रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सर्पदंश से होने वाली अधिकांश मौतें घबराहट, अंधविश्वास और उपचार में देरी के कारण होती हैं। इसलिए सर्पदंश होने पर मरीज को शांत एवं स्थिर रखें तथा बिना विलंब निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल पहुंचाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि घाव को साफ पानी से धोकर स्वच्छ कपड़े से ढंकें तथा सूजन की संभावना को देखते हुए अंगूठी, कंगन, घड़ी एवं अन्य आभूषण हटा दें।
अभियान के तहत जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्टर, पम्पलेट एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए सर्पदंश से बचाव एवं प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिलेवासियों से अपील की है कि सर्पदंश की स्थिति में किसी प्रकार के झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा न लें तथा मरीज को तत्काल स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाएं। समय पर उपचार एवं एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता से सर्पदंश से होने वाली गंभीर जटिलताओं और मृत्यु की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से वर्षाकाल में विशेष सावधानी बरतने तथा जनजागरूकता संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

जन कल्याण शिविर में 9029 आवेदन हुए प्राप्त, 8450 का हुआ निराकरण

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जनपद पंचायत लखनादौन अंतर्गत 12 जून से 14 जून 2026 तक तीन दिवसीय विशेष जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। शिविर के सफल आयोजन हेतु ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं कोटवारों द्वारा गांव-गांव में डोंडी पिटवाकर एवं मुनादी कराकर नागरिकों को शिविर की जानकारी दी गई। वहीं सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा सर्वे कर विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए।

सिवनी जम्बो सीताफल को मिला जीआई टैग

किसानों को मिलेगा बेहतर मूल्य और वैश्विक पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सिवनी जिले के लिए गौरव और हर्ष का विषय है कि जिले के प्रसिद्ध सिवनी जम्बो सीताफल को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि जिले की विशिष्ट कृषि पहचान तथा किसानों की मेहनत को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण मान्यता है। जीआई टैग मिलने से सिवनी जम्बो सीताफल को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान मिलेगी तथा किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा।
सिवनी जम्बो सीताफल अपने बड़े आकार, उत्कृष्ट गुणवत्ता और प्राकृतिक रूप से विकसित होने वाले विशिष्ट मीठे स्वाद के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। इस सीताफल का औसत वजन 200 से 650 ग्राम प्रति फल होता है, जबकि भूतबंधानी क्षेत्र में उत्पादित कई फल 800 ग्राम से लेकर एक किलोग्राम तक वजन के पाए जाते हैं। जीआई टैग मिलने से इस उत्पाद की विशिष्ट पहचान सुरक्षित रहेगी तथा इसके नाम के दुरुपयोग पर रोक लगेगी।
सहायक संचालक उद्यानिकी सिवनी डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार ने बताया कि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा कलेक्टर सिवनी एवं आयुक्त उद्यानिकी के मार्गदर्शन में वर्ष 2023 में भूतबंधानी सीताफल क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से जीआई टैग के लिए आवेदन किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप सिवनी जम्बो सीताफल को यह

महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त हुई है। जीआई टैग मिलने से जिले के हजारों सीताफल उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब सिवनी में उत्पादित सीताफल को उसकी विशिष्ट पहचान के साथ बाजार में प्रस्तुत किया जा सकेगा और अन्य क्षेत्रों के उत्पादक इसके नाम का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इससे उत्पाद की मांग और मूल्य दोनों में वृद्धि होने की संभावना है। साथ ही सीताफल उत्पादन, क्षेत्र विस्तार और प्रसंस्करण गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।
वर्तमान में सिवनी जिले में लगभग 695 हेक्टेयर क्षेत्र में सीताफल की खेती की जा रही है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 6090 मीट्रिक टन उत्पादन प्राप्त होता है।
जिले का सीताफल देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, नागपुर, रायपुर, वाराणसी और अन्य बाजारों में विशेष मांग रखता है। सीताफल का उपयोग प्रसंस्करण कर पल्प बनाने में भी किया जाता है, जिससे सीताफल आइसक्रीम, रबड़ी, बासुंदी, लस्सी, शेक तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों का निर्माण होता है। इसके अतिरिक्त सीताफल के पत्तों एवं छिलकों का उपयोग जैविक खाद तथा औषधीय उत्पादों के निर्माण में भी किया जाता है। जिले में सीताफल उत्पादकों को संगठित कर दो एफपीओ का गठन किया गया है तथा तीन सीताफल पल्प प्रसंस्करण इकाइयाँ भी स्थापित की गई हैं।
कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, जिला उद्यानिकी अधिकारी डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार तथा जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग ने इस उपलब्धि पर जिले के किसानों, उद्यानिकी विशेषज्ञों एवं सभी संबंधित हितधारकों को बधाई दी है। कलेक्टर ने विश्वास व्यक्त किया कि जीआई टैग के माध्यम से सिवनी जम्बो सीताफल को देश और विदेश के बाजारों में नई पहचान मिलेगी तथा इससे जिले के किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। यह उपलब्धि सिवनी की कृषि विरासत को सशक्त बनाने और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ।

विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश

1 जुलाई से "हमारे शिक्षक" ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति होगी अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े सभी शासकीय कर्मचारियों के लिए आगामी 1 जुलाई 2026 से "हमारे शिक्षक" प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश द्वारा आदेश जारी कर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सभी शासकीय विद्यालयों, कार्यालयों तथा प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को प्रतिदिन डिजिटल माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य उपस्थिति प्रणाली में पारदर्शिता लाना, कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि "हमारे शिक्षक" प्रणाली के क्रियान्वयन से संबंधित निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के समस्त शासकीय लोकसेवकों पर समान रूप से लागू होंगे। इसके अंतर्गत अधिकारियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी होगी। आदेश में संबंधित कार्यालय प्रमुखों एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रमुखों को विशेष

जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके अधीनस्थ सभी कर्मचारी "हमारे शिक्षक" प्रणाली से जुड़े हों तथा उनकी उपस्थिति एवं अवकाश संबंधी प्रविष्टियां नियमित रूप से ऑनलाइन दर्ज की जाएं। विभाग का मानना है कि इस डिजिटल व्यवस्था से कर्मचारियों की उपस्थिति का रियल टाइम रिकॉर्ड उपलब्ध होगा, जिससे प्रशासनिक निगरानी और कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। साथ ही अवकाश प्रबंधन एवं उपस्थिति संबंधी जानकारी का संधारण भी अधिक सुव्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से 1 जुलाई से पूर्व आवश्यक तकनीकी तैयारियां पूर्ण करने तथा "हमारे शिक्षक" प्रणाली का उपयोग सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि नई व्यवस्था का सफलतापूर्वक संचालन किया जा सके।

स्टापडेम निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार

लघु वनोपज की राशि में जमकर बंदरबांट

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दक्षिण वनमंडल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र अधिकारी लालबर्रा के सरंक्षण में नियम को दरकिनार करते हुए स्टापडेम निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार करते हुए शासन की राशि में बंदरबांट करने की जानकारी प्राप्त हो रही हैं। मिली जानकारी अनुसार लालबर्रा अंतर्गत ग्राम कंजई बेरियर के पास स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए लघु वनोपज मद से 14 लाख 98 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। उपरोक्त निर्माण कार्य में कार्य एजेंसी वन परिक्षेत्र कार्यालय लालबर्रा सामान्य को बनाया गया। सूत्रों की माने तो उपरोक्त कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी, सप्लायर के द्वारा गिट्टी सिमेंट तथा अन्य सामग्री मौका स्थल पर पहुंचाई गई। सिमेंट सप्लायर को

लाखों का भुगतान किया गया। जो कि फर्जी तरीके से शासन की राशि को बंदरबांट किया गया। मौका स्थल पर स्टीटमेंट अनुसार कार्य नही किया हैं। ग्रामीणों का कहना हैं कि वन विभाग के द्वारा कार्य को ठेकेदार से करवाया गया हैं। जो कि

बहुत ही गुणवत्ताहीन हैं, इस संबंध में परिक्षेत्र सहायक पुरूषोत्तम सोनेवानी से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि मैं मात्र औपचारिक रूप से कार्य में शामिल हूं। संपूर्ण कार्य रेंजर मैडम के द्वारा करवाया गया हैं।

पारदर्शिता के अभाव में आर्थिक अनियमितताएं

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 संघ पर लागू नही किया गया हैं। लघु वनोउपज संघ की स्थापना आदिवासियों के हितों के लिए तथा उनके उत्थान के लिए की गई थी कि किन्तु पारदर्शिता के अभाव में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डीएफओ तथा एसडीओ तथा रेंजर सभी की मिलीभगत से लघु वनोपज मद के कार्य में भारी आर्थिक अनियमितताएं की जा रही हैं। विभाग में चर्चा हैं कि सभी वरिष्ठ अधिकारियों का परसेंटेज फिक्स हैं।

विनोबा ऐप और एफएलएन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

बालाघाट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) बालाघाट में सोमवार को विनोबा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विनोबा ऐप के उपयोग, एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) कार्यक्रम की प्रगति तथा शिक्षकों के क्षमता विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डीआईईटी के प्राचार्य श्री नरेश प्रसाद, जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री घनश्याम बर्मन, एपीसी श्री विवेक कुमार, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण तथा विनोबा टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दलित महिला सरपंच पर ईंट से हमला, एसपी कार्यालय पहुंचीं

बालाघाट। बालाघाट में अतिक्रमण विवाद को लेकर दलित महिला सरपंच पर हुए हमले का मामला अब पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय तक पहुंच गया है। मंगलवार को सरपंच ने पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने हमलावरों पर परसवाड़ा पुलिस की कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सरपंच प्रमिला उईके ने बताया कि यह घटना परसवाड़ा क्षेत्र की चीनी पंचायत के बर्राटोला में हुई। 18 जून को व्यासमून तिवारी द्वारा रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर रास्ता खोला गया था। दो दिन बाद उन्हें शिकायत मिली कि

व्यासमून तिवारी उसी रास्ते की जगह पर शौचालय का गड्ढा खोद रहा है।

शिकायत मिलने पर सरपंच, वार्ड पंच और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचीं। वहां अतिक्रमणकारियों ने समझाइश के दौरान ही विवाद शुरू कर दिया। उन्होंने जातिगत गालियां देते हुए सरपंच को धमकाया और कहा कि बार-बार समझाने आती है, इसे मारकर इसी गड्ढे में गाड़ देंगे।

इसी दौरान हुई हाथापाई में व्यासमून तिवारी ने सरपंच प्रमिला उईके के चेहरे पर ईंट से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। सरपंच ने बताया कि परसवाड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद पुलिस ने संतोषजनक कार्रवाई नहीं की है।

एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए सरपंच ने हमलावरों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें गांव से बाहर करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो वे आदिवासी समाज के साथ मिलकर आंदोलन और चक्काजाम करेंगी।

वन अधिकार अधिनियम के तहत कृषि भूमि के पट्टे देने की मांग की

बालाघाट। बालाघाट में आदिवासी महिलाओं ने वन विभाग पर कृषि भूमि से बेदखल करने का आरोप लगाया है। जगनटोला की इन ग्रामीण महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत कृषि भूमि के पट्टे देने की मांग की है।

महिलाओं का कहना है कि वे और उनके पूर्वज पिछले 30-40 वर्षों से अधिक समय से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं। उन्हें हर बार पट्टे की मांग पर केवल आश्वासन मिला है, लेकिन अब उन्हें यहां से हटने के लिए कहा जा रहा है।

शिकायतकर्ता महिला सीमा ने बताया कि वन विभाग ने उनकी फसलों को नष्ट कर दिया है। विभाग के अधिकारी उनसे कह रहे हैं कि वे

कहीं और जाकर खेती करें और इस भूमि को छोड़ दें।

महिलाओं ने आरोप लगाया कि वे कई वर्षों से पट्टों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है, जबकि अब उन्हें उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल किया जा रहा है।

1.77 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

28 जून को जिलेभर में चलेगा सघन पल्स पोलियो अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को सशक्त बनाने के लिए बालाघाट जिले में आगामी 28 जून 2026, रविवार को सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो निरोधक दवा की दो बूंद खुराक पिलाई जाएगी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाने की अपील की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले में इस अभियान के अंतर्गत 1 लाख 77 हजार 56 बच्चों को पोलियो निरोधक दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभियान के अंतर्गत विकासखंड बैहर में 13,204, बिरसा में 15,926, कटंगी में 22,787, खैरलांजी में 13,941, किरनापुर में 18,939, लालबर्रा में 17,185, लामता में 18,577, लांजी में 17,331, परसवाड़ा में 13,401, रामपायली में 12,537, वारासिवनी में 3,247 तथा बालाघाट नगरीय क्षेत्र में 9,981 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

जिले में बनाए गए 1792 पोलियो बूथ

डॉ. उपलप ने बताया कि जन्म से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में 1792 पोलियो बूथ एवं टीकाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं। अभियान के सफल संचालन हेतु 3652 टीकाकरण कर्मचारियों तथा 225 पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त बस स्टैंड, रेलवे

स्टेशन एवं अन्य आवागमन स्थलों पर बच्चों को दवा पिलाने के लिए 38 ट्रांजिट टीमों तथा दूरस्थ एवं विशेष क्षेत्रों में पहुंचने के लिए 30 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है।

सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक पिलाई जाएगी दवा

28 जून को सभी पोलियो बूथों एवं टीकाकरण केंद्रों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बच्चों को पोलियो निरोधक दवा की खुराक दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों को निर्धारित समय के भीतर निकटतम पोलियो केंद्र पर अवश्य लेकर आएं।

छूटे हुए बच्चों तक घर-घर पहुंचेगी टीम

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यदि किसी कारणवश कोई बच्चा 28 जून को पोलियो की दवा लेने से वंचित रह जाता है, तो 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों की पहचान करेंगी और उन्हें पोलियो की खुराक पिलाएंगी। हालांकि विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर पर टीम के आने की प्रतीक्षा न करें और 28 जून को ही अपने बच्चों को दवा पिलाना सुनिश्चित करें।

मॉयल लिमिटेड ने 64 वर्षों में सफलता के नए आयाम स्थापित किए : भाटी

अंतर खदान सांस्कृतिक स्पर्धा उत्साहपूर्वक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी मॉयल लिमिटेड ने 22 जून को अपना 64वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया। स्थापना दिवस के अवसर पर भरवेली खदान स्थित जवाहर सभा गृह में अंतर खदान सांस्कृतिक स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें समूह-1 के अंतर्गत आने वाली भरवेली, उकवा एवं तिरोड़ी खदानों के कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों के बीच रिकॉर्डिंग डांस एवं लोकनृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रिकॉर्डिंग डांस प्रतियोगिता के 12 से 17 वर्ष आयु वर्ग में बालाघाट खदान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में तिरोड़ी खदान प्रथम एवं बालाघाट खदान द्वितीय स्थान पर रही।

लोकनृत्य प्रतियोगिता के 12 से 17 वर्ष आयु वर्ग में उकवा खदान ने प्रथम तथा बालाघाट खदान ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं 18 वर्ष

से अधिक आयु वर्ग में बालाघाट खदान प्रथम, उकवा खदान द्वितीय और तिरोड़ी खदान तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए 5,000 रुपये, 3,000 रुपये और 2,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक स्पर्धा में निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका जिले के वरिष्ठ रंगमंच कलाकार अशोक मिश्रा, दीपक भट्ट एवं मनीष परिहार ने निभाई। उनके निष्पक्ष मूल्यांकन एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में योगदान को देखते हुए उन्हें भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भरवेली खदान के अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक उम्मेद सिंह भाटी ने कहा कि मॉयल लिमिटेड ने अपने 64 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में सफलता के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी की उपलब्धियों का श्रेय उसके कामगारों, कर्मचारियों, अधिकारियों की टीम भावना, समर्पण एवं कुशल नेतृत्व को जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी कंपनी इसी प्रकार निरंतर प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करती रहेगी।

खान प्रबंधक विवेक कुमार ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छह दशक से अधिक की इस यात्रा में कंपनी ने अनेक चुनौतियों और उतार-चढ़ाव का सफलतापूर्वक सामना किया है। बदलती तकनीक और कार्यप्रणाली के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए मॉयल ने निरंतर विकास का मार्ग अपनाया है, जिसका परिणाम आज कंपनी की उपलब्धियों के रूप में सामने है।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन वरिष्ठ पत्रकार रहीम खान ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सुश्री स्नेहलता द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कार्मिक विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक समीर बनर्जी (भरवेली), विवेक महाकालकर (उकवा), रितेश माने (तिरोड़ी) तथा उनके सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण किए जा रहे कमरो के निर्माण पर लगी रोक

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण किए जा रहे कमरो के निर्माण पर तहसीलदार वारासिवनी द्वारा रोक लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि पर लगभग 60 दुकानों का बिना अनुमति के कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर लिया गया है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा तहसीलदार वारासिवनी को की गई है। जिनके निर्देश पर राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में 4 सदस्यीय दल ने डोंगरमाली पहुंच कर जांच प्रारंभ की थी, लेकिन कुछ तत्वों द्वारा जांच में रुकावट पैदा कर उसे प्रभावित करने का प्रयास किया गया। जिस पर जांच टीम आधी जांच कर वापस लौट आई और आगे की जांच के लिए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की मांग की। जिस पर तहसीलदार वारासिवनी ने पुलिस थाना रामपायली को पत्र लिखकर जांच के दौरान पुलिस बल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी अनुसार शासकीय चारागाह की भूमि पर ग्रामीणों की आड़ लेकर सरपंच ने दुकानें बनाकर अनाप शनाप रुपए लेकर ग्रामीणों को बेच दिए। जिसकी किसी भी प्रकार की लिखा पढ़ी दुकानदारों के साथ नहीं की गई है। दुकानदारों से ली गई रकम की रसीद भी सरपंच द्वारा वापस ले ली गई, जिससे उसके खिलाफ कोई भी सबूत

ग्रामीण पेश ना कर सके। इसकी शिकायत होने के बाद राजस्व विभाग की जांच टीम ने डोंगरमाली पहुंच कर जांच प्रारंभ की, तो किसी भी दुकानदार के पास दुकान निर्माण के वैध दस्तावेज या अनुमति नहीं पाई गई। जिस पर जांच टीम ने सभी दुकानदारों की दुकानों की नाप जोख शुरू की और बयान लेने शुरू किए।

इसी बीच शासकीय चारागाह की भूमि पर ही और किए जा रहे निर्माण को लेकर जब जांच टीम के अधिकारी निर्माण करने वाले ठेकेदार से पूछताछ कर रहे थे और शिकायतकर्ता उसकी वीडियो ग्राफी कर रहे थे। तो ठेकेदार, सरपंच व उनके गुर्गों ने हंगामा करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने वीडियो बनाने वाले व्यक्ति से उसका मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दिया और उसे मारने की धमकी तक दे दी। स्थिति को बिगड़ते हुए देख जांच टीम ने जांच को स्थगित कर दिया और वारासिवनी पहुंच कर पूरी जानकारी तहसीलदार वारासिवनी को दी। जिसके बाद तहसीलदार वंदना कुशराम ने आदेश जारी कर शासकीय चारागाह की भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को रोकने के आदेश जारी किए और आगामी जांच के लिए पुलिस बल उपलब्ध करवाने के लिए रामपायली पुलिस थाने को पत्र लिख कर भेज दिया है।

वन्य प्राणी ने बाड़े में बंधी बकरी को बनाया शिकार

आए दिन हो रही घटनाओं से जनहानि का खतरा

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत घुनाड़ी में वन्य प्राणी के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सोमवार 22 जून की देर रात करीब 11 से साढ़े 11 बजे के बीच एक वन्य प्राणी ने गांव में घुसकर बाड़े में बंधी बकरी का शिकार कर उसे मार डाला। घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार घटना ग्राम घुनाड़ी निवासी चूलेंद्र चौधरी के घर की है। रात करीब 11 बजे के बाद किसी वन्य प्राणी ने उनके घर के पास बने बाड़े में घुसकर वहां बंधी बकरी पर हमला कर दिया। सुबह जब पशुपालक चूलेंद्र बाड़े में पहुंचे तो बकरी मरी हुई मिली। बकरी के गले और शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। पशुपालक ने बताया कि रात में उन्होंने वन्य प्राणी को प्रत्यक्ष नहीं देखा, लेकिन शिकार करने के तरीके और पंजों के निशान देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह हमला तेंदुए ने ही किया होगा। ग्रामीणों ने बताया कि घुनाड़ी गांव में यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी वन्य प्राणी कई बार गांव में घुसकर पालतू मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है। बकरी, कुत्ते और बछड़ों पर हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार वन विभाग को सूचना देकर गांव के आसपास गश्त बढ़ाने और वन्य प्राणी को आबादी क्षेत्र से दूर रखने की मांग की है। बावजूद इसके आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। ग्रामीणों को अब जनहानि का खतरा सता रहा है, क्योंकि रात के समय वन्य प्राणी सीधे बस्ती में घुस रहा है।